भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
12.03.2025 के
तारांकित प्रश्न सं. 187 का उत्तर

तिरुनेलवेली स्टेशन का पुनर्विकास

***187. श्री रॉबर्ट ब्रूस सी.:**

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) तिरुनेलवेली रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास के लिए सरकार की योजनाओं का ब्यौरा क्या है;

(ख) उक्त रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास के लिए कुल कितनी धनराशि आबंटित की गई है;

(ग) इस रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास की वर्तमान स्थिति क्या है; और

(घ) इस परियोजना के पूरा होने की संभावित तिथि क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

दिनांक 12.03.2025 को लोक सभा के तारांकित प्रश्न सं. 187 के भाग (क) से (घ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (घ): तमिलनाडु राज्य में आने वाले तिरुनेलवेली रेलवे स्टेशन की पुनर्विकास परियोजना को अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत कुल ₹99.84 करोड़ की लागत पर स्वीकृत किया गया है।

तिरुनेलवेली स्टेशन के मास्टर प्लान में पूर्व और पश्चिम दिशा में टर्मिनल भवनों, विशाल ऊपरी पैदल पुल, प्लेटफार्मों का उन्नयन, पार्सल कार्यालय, आरएमएस कार्यालय, परिचलन क्षेत्र और भूतल पार्किंग आदि की परिकल्पना की गई है। तिरुवेलवेली स्टेशन पर प्रतिदिन औसतन लगभग 35,000 यात्री आते जाते हैं।

भारतीय रेल पर स्टेशनों का उन्नयन/आधुनिकीकरण एक सतत और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और इस संबंध में कार्य आवश्यकता, पारस्परिक प्राथमिकता, निधि की उपलब्धता आदि के अनुसार किए जाते हैं।

हाल के वर्षों में, तिरुनेलवेली रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म शेल्टर का निर्माण कार्य, सशुल्क शौचालय की व्यवस्था, साइकिल और स्कूटर पार्किंग का कार्य, परिचलन क्षेत्र में प्रीफैब्रिकेटेड शौचालयों की व्यवस्था, पुनर्चक्रण संयंत्र की व्यवस्था, प्लेटफॉर्म और कॉनकोर्स सतह के सुधार कार्य, स्मारकीय ध्वज और प्लेटफॉर्म पर सवारी डिब्बों के लिए शीघ्र पानी भरने की व्यवस्था जैसे कार्य निष्पादित किए गए हैं।

इस अमृत भारत स्टेशन योजना में दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ सतत आधार पर रेलवे स्टेशनों के विकास की संकल्पना की गई है। इसमें प्रत्येक ऐसे रेलवे स्टेशन की आवश्यकता को देखते हुए स्टेशन तक पहुंच, परिचलन क्षेत्र, प्रतीक्षालय, शौचालय, आवश्यकता के अनसुार लिफ्ट/एस्केलेटर, स्वच्छता, नि:शुल्क वाई-फाई, 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी

योजनाओं द्वारा स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क, बेहतर यात्री सूचना प्रणाली, एक्जीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए निर्दिष्ट स्थान, लैंडस्केपिंग आदि जैसी सुविधाओं में सुधार लाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और उनका चरणबद्ध कार्यान्वयन करना शामिल है।

इस योजना में आवश्यकतानुसार, चरणबद्ध एवं व्यवहार्य रूप से स्टेशन भवन में सुधार, स्टेशन का शहर के दोनों भागों के साथ एकीकरण, मल्टीमोडाल एकीकरण, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं, दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान, गिट्टी रहित पटरियों की व्यवस्था आदि और दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेन्टरों के निर्माण की भी परिकल्पना की गई है।

अब तक, इस योजना के अंतर्गत 1337 स्टेशनों की पहचान की गई है, जिनमें से तिरुनेलवेली स्टेशन सहित 77 स्टेशन तमिलनाडु राज्य में स्थित हैं। इन 77 स्टेशनों में से, 71 स्टेशनों पर विकास कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

स्टेशनों के विकास और अनुरक्षण के लिए निधियों के आवंटन का ब्यौरा कार्य-वार या स्टेशन-वार नहीं बल्कि क्षेत्रीय रेल-वार रखा जाता है। सामान्यतः, यात्री सुविधाओं को योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएं' के अंतर्गत वित्तपोषित किया जाता है। तमिलनाडु में तिरुनेलवेली रेलवे स्टेशन दक्षिण रेलवे ज़ोन के अंतर्गत आता है और योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएं' के अंतर्गत स्टेशनों के विकास और अनुरक्षण के लिए दक्षिण रेलवे को वर्ष (संशोधित अनुमान 2024-25) के लिए 1097.90 करोड़ रुपए आबंटित किए गए हैं।

इसके अलावा, रेलवे स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन जटिल प्रकृति का होता है जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा शामिल होती है और इसके लिए दमकल विभाग, धरोहर, पेड़ों की कटाई, विमानपत्तन स्वीकृति इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की

आवश्यकता होती है। इनकी प्रगति जनोपयोगी सेवाओं, (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं) को स्थानांतरित करना, अतिलंघन, अतिक्रमण, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों का परिचालन, उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के निकट किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि जैसी ब्राउन फील्ड संबंधी चुनौतियों के कारण भी प्रभावित होती है और ये कारक कार्य के समापन समय को प्रभावित करते हैं। अत:, इस समय कोई समय-सीमा नहीं बताई जा सकती है।

*****